सामंजस्यपूर्ण (शान्तिमय) सभ्यता संस्कृति

धरती के नागरिकों !

शान्ति, न्याय, भ्रातृत्व (बन्धुता) एवं सुखशान्ति केलिए सामंचस्य में एक होजाए ।

भूमण्डलीय सामंजस्य संघ (जीएचए)

2005 से जीएचए एक अन्तर्राष्ट्रीय एनजीओ 48 देशों में 400 सदस्यों को एवं 80 देशों में जीएचए सामूहिक सदस्यों में से एक मिलयन से भी अधिक प्रतिभागियों को एक कर रहा है । जीएचए के संस्थापक एवं अध्यक्ष **डॉ. लियो सेमाश्को** हैं ।

पता : 7/4-42, हो - शी - मिन मार्ग - सेईट पीटर्सबर्ग, 194356, रूस

टेलीफोन (दूरभाष) : +7 (812) 597-65-71, ई-मेल : leo.semashko@gmail.com

डॉ - लाज उट्रेजा जीएचए युएसए के अध्यक्ष हैं ।

पता : 122 फॉ हाउण्ड ड्राईव - मेडीसन, अकल ।

दूरभाष : 256-604-6927, ई-मेल : ish0001@aol.com

जीएचए-जापाने के अध्यक्ष है केई मोर्जी ।

जीएचए व्हेबः www.peacefromharmony.org

जीएचए मिशन - सामंजस्य (हार्मोनी) से शान्ति तक । सद्भाव पूर्ण (सुव्यवस्थित) सभ्यता हेतु सचेतन (कॉन्शैस) मार्ग प्रशस्त करें ।

टी वी परियोजना

दि. १२ दिसंबर, २०१० को जीएचए द्वारा अनुमोदित की गयी ।

सेवा में : विश्व के टी वी ब्रॉडकैस्ट कार्पोरेशन्स

विषय : जीएचए प्रस्ताव को आपके किसी भी एक चैनल में हर सप्ताह १.५ घण्टे केलिए शैक्षिक व चर्चा आयोजित **करना भविष्य :** "सद्भावपूर्ण सभ्यता अथवा क्या है !" वाले शीर्षक के अन्तर्गत टी वी एवं रेडियो परियोजना (साइकल, कार्यक्रम)

रचनास्वत्व © 2010 भूमण्डलीय सामंजस्य संघ (एसोसियेशन),
रचनास्वत्व © 2010 लियो सिमाशको

१६ भाषओं में प्रकाशन :

रूस : http://peacefromharmony.org/?cat=ru_c&key=477

अंग्रेजी : http://www.peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=447

अरबिक :

चीनी :

एस्पीरेन्टो :

फ्रेंच :

जर्मनी :

ग्रीक :

हिब्रू :

हिन्दी :

इटालिएन :

जापानी :

रोमानिएन :

स्पैनिश :

उक्रेनिएन :

उर्दू :

प्रिय महोदय !

रिकार्ड किए गये अतीत में, हमने उत्पादन में कोई माध्यम (मीडिया) कार्यक्रम नहीं देखा जो मनुष्यता के भविष्य के बारे में एक सकारात्मक एवं गहरे दृष्टिकोण को पूर्वानुमानित कर सके । कुछ संस्थाएँ ऐसी हैं जो विश्व को ठीक उसी प्रकार सकारात्मक दृष्टि से देखती हैं जिस प्रकार जल से आधा भरे गिलास को, आधा खाली मानने के बजाय आधा भरा हुआ (पूर्ण) मान लेंगे । ऐसी संस्थाओं से जीएचए एक है जो एक सार्वजनिक समाजविज्ञान की नागरिक संस्था है और जो XXI शाताब्दी में सामंजस्यपूर्ण (शान्तिमय) सभ्यता को अधिकतः मनुष्यता का भविष्य मानती है । तदनुरूप, जीएचए ने पिछले ६ वर्षों में ६ ग्रंथ एवं सैकड़ों लेख लिखने केलिए बहुत प्रयास किया तथा उनको अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया । साथ-साथ उसने एक विश्व नागरिक समाज केलिए २५ परियोजनाएँ विकसित की मीडिय की शक्ति अवगत करते हुए, जीएच ए विचार अपना तर्कसंगत अगले कदम को लेजाना चाहती है और वह विचार है - परस्पर प्रभावित करनेवाले शैक्षिक टी वी ब्रॉडकैस्ट भविष्य : ***"सामंजस्य पूर्ण सभ यता है अथवा क्या है !"*** इस टी वी निर्माण (प्रोडक्शन) की प्रधान विशिष्टताएँ निम्नवत् हैंः

बारम्बारता (फ्रीक्वेन्सी) : साप्ताहिक (अथवा दैनिक)

सप्ताह का दिन : शनिवार (अथवा रविवार)

दिन का समय : प्रात :

दैनिक कार्यक्रम की लंबाई : ९० मिनट

चालू (रनिंग) समय : प्रारम्भ में एक वर्ष की अवधि केलिए शीर्षक या दोहराई (आवर्तन) के विस्तार के साथ परवर्ती नवीकरण

श्रेणियों (सिरीज) के निर्माता एवं निदेशक : द टी वी कार्पोरेशन

अन्तर्वस्तु विषय संभरक (प्रोवाइउर) : द जीएचए

श्रोता दर्शक गण जिनको लक्ष्य किया गया : किशोर-किशोरी एवं युवा वयस्क जिनकी आयु १३ से ३५ वर्ष तक होगी / अधेड़ उम्र के एवं वृध्दबननेवाले व्यक्ति जो अपने भविष्य के बारे में XXI तथा अपनी संतान के भविष्य के बारे में चिन्तित रहते हैं ।

निधिकरण : टी वी कार्पोरोशन के खर्च पर एवं / अथवा ४० यु.एस. के अरवपतियों एवं / अथवा लोकोपकारियों सहित विविध सस्थाओं व प्रवर्तकों (स्पॉन्सरों) द्वारा ।

प्रयोजन : वैज्ञानिक रूप से विकसित एवं शताब्दी के अग्रवर्ती (अैड्वान्सड) फ्यूचोरोलॉजिकल मोडलों में से एक के साथ यानी सामंजस्यपूर्ण सभ्यता से दर्शकों को परिचित कराना, सामाजिक सामंजस्य (समन्वय) का आधार (बेसिक्कस) (वर्णमाला (प्रारंभिकज्ञान) व भाषा) सीखना, सामंजस्यपूर्ण विचार के सिद्दान्तों पर अधिकार प्राप्त करना तथा सामाजिक समस्याओं का निदान करने में उसके लाभों को प्रदर्शित करना (दिखाना) तथा व्यक्ति का सामंजस्यपूर्ण विकास प्रदर्शित करना (दिखाना) (इस कार्यक्रम से यह प्रमाणित होगा कि कि प्रत्येक सामाजिक समस्या का समाधान है । परन्तु एक सामंजस्यपूर्ण समाधान प्राप्त करने केलिए सामंजस्यपूर्ण सोच की तरफ हमें अभिमुख होना आवश्यक है । तदनुरूप उसकी भाषा एवं वर्णमाला (प्रारम्भिकाज्ञान) से हमें सुसज्जित रहना है जो केवल शिक्षा एवं मीडिया द्वारा शिक्षित किया जा सकता है ।

पृष्टभूमि : युध्द एवं हिंसा की भाषा से इतिहास भरा हुआ है । बचपन के प्रारंभिक समय से हमने विद्यालयों में इतिहास के पाठों में उसकी भाषा सीख ली है । भावी जवानों को युध्द की भाषा पढ़ानेवाले हजारों फौजी (मिलिटरी) अकादमियॉ एवं महाविद्यालय हजारों की संख्या में हैं । हथियारों के निर्माण एवं बिक्री के साथ उनकी तैयारी - इस सिध्दान्त का अनुसरण करते हुए कि - "यदि आप शान्ति चाहते हैं तो युध्द केलिए तैयार हो जाएं" - को शान्ति का एक मात्र गारंटी मामी जाती है । आधुनिक मीडिया भी अधिकांशत : अतीत एवं वर्तमान पर विचार करता है । हम भविष्य के बारे में बात नहीं करते एवं यदि हम करते भी हैं हम उसे सकारात्मक स्वर में नहीं करते, परन्तु भविष्य-सूचक एवं फौजी-पध्दति में करते हैं जैसे परमाणु युध्द, सार्वभौम (विश्व) तापन, ऊर्जा निर्भरता, अन्न की कमी, जनसंख्या वृध्दि इत्यादि में करते हैं ।

सामंजस्य की प्राथमिक वर्णमाला (आस्फबैट में मनुष्यता पूर्णतः निरक्षर (अनपढ़) एवं सामंजस्य भाषा में अनभिज्ञ हैं. जैसकि एक महान विचारक ने कहा - मनुष्य-जाति भूलगयी, अब उसे (सामंजस्य की भाषा को) अनिवार्य रूपसे उस तरह याद करनी है जिस तरह भगवान ने सामंजस्य की भाषा से सामंजस्य में प्रकृति एवं मनुष्यों को सृजित किया । असामंजस्य मनुष्य इतिहास में, सहस्राब्दियों के बाद सामंजस्य पूर्ण सभ्यता जीवित रहने हेतु सामंजस्य की भाषा का सहारा लेने केलिए हमारी तत्परता (उत्सुकता) मानत मस्तिष्क की क्षमता का अपनी मूल स्थिति में लाने केलिए ईश्वर की परीक्षा है ।

१९९० में समाजवादी तन्त्र के ढ़हजाने के बाद आधुनिक इतिहास ने - जावक (निर्गामी) औद्योगिक विषय से उदीयमान सामंजस्यपूर्ण विषय में मनुष्य सभ्यता / फंदे (नूसफिअर) का अभूतपूर्व वास्तुशिल्पीय (टेक्टोनिक) बदली (शिफ्ट) देखी । उसके भूकम्पी कम्पनों को ज्ञान एव आध्यात्मिकता, दर्शन समाज शास्त्र, गणित, शिक्षा व संस्कृति के मूल क्षेत्रों में महसूस किया गया। २०१० में लगभग १० स्वतन्त्र अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं सांस्कृतिक घटनाएँ जो एक या अन्य ढ़ंग से नयी सभ्यता के जन्म के साथ जुड़े थे आयोजित की गयी । http://peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=382. में १९४७ में इस ट्रेंड के बोध को प्रतिबिंबित करते हुए जीएचए ने ६५ अधिक तश्यों को नोटे किया है । २००९ में जीएचए ने अपने प्रथम तीन सार्वभौमिक (ग्लोबल) ग्रुणों में सामंजस्य पूर्व सभ्यता के जन्म को अवलोकित (आब्सर्व) किया :

(१) युएसए एवं रूस के बीच "शून्य परमाणु" "जीरो न्यूक्लिअर" का प्रारम्भ, बल्कि वर्तमान सैन्यवादी औयोगिक सभ्यता में शून्य परमाणु ।

(२) जीएचए कार्यक्रम पुस्तक "सामंजस्यपूर्ण सभ्यता" में उसके प्रथम सैध्दान्तिक नमूने का प्रकटन / आविर्भा (http://www.peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=379) जिसने प्रथमतः सामंजस्य की वर्नमाला (आस्फबेट) भाषा एवं विचार को प्रारम्भ किया ।

(३) नयी सभ्यता के अंक गणित के रूप में सामंजस्य का गणित, प्रो. अलेक्ससी स्टैखोव और उसके समर्थक, केनाडा (http://www.worldscibooks.com/mathematics/ 635.html).

इस सभ्यता का दूसरा उदाहरण जो अर्थशास्त्र को प्रभावित करता है, वह ४० यु एस. अरबपतियों (बिलियनरों) का अभूतपूर्व मानवप्रेम है । उनका निर्णय उद्योगवाद के समस्त सिध्दान्तों का खण्ड़न करता एवं सामंजस्यता में व्याख्येय (एक्सिलकल) है । उपरोकत चार तथ्य एक वर्ष की अवधि में नयी सभ्यता की आधारशिलाएँ बनती हैं ।

इसके सामाजिक उदाहरण १९९२ में ई यु का निर्माण एवं २००६ से चीन में एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण है । यद्यदि ये दो उदाहरण अभी वैज्ञानिक नहीं एवं वे केवल अपने क्षेत्रों तक सीमित हैं, फिरभी वे लगभग बिलएन (अरब) जनसंख्या-प्राथः एक तीसरी मनुष्य जाति - का निर्माण करते हैं ।

जीएचए विश्वास करता है कि हमें वर्तमान समय केलिए सामंजस्य की वर्णमाला, भाषा व विचार से मनोरंजन करना एवं सीखना भी है । इस नयी ऐतिहासिक सामंजस्यपूर्ण प्रबोधन प्रक्रिया केलिए मीडिया विशेषतः दूरदर्शन को मार्गदर्शक भूमिका (लीडरोल) निभानी पड़नी है । दूरदर्शन सभी मीडिया रूपात्मकताओं (मोडालिटीज़) में से अत्यान्त प्रभावी है जो वर्तमान में मनुष्यजाति को प्रभावित करना है । दूरदर्शन का लक्षण यही है कि जिसने इस विनिर्दिष्ट अपील केलिए जीएचए को उत्प्रेरित किया है । वह लोगों को, विशेषाप्तः युवाजगत को नयी सभ्यता हेतु सामंजस्य की भाषा विकल्पों सिखाने केलिए एवं एक साथ उसकी संभवता ओं पर चर्चा करने एवं विविध लोगों व देशों केलिए समनुरूपित एक आमूलतः नये पत्रकारिक कार्यवाही लेने समर्थ है ।

जीएचए इस उत्तरदायित्व को एक उच्चतम सामाजिक उत्तरदायित्व आधुनिक मीडिया के नैतिक कर्तव्य के रूप में देखता है । सामंजस्यपूर्ण सभ्यता को, अहिंसात्मक रूप से, शिक्षा एवं मीडिया द्वारा स्थापित किया जा सकता है ।

एक सिरीज़ संरचना दो भागों में है :

पहला भाग ज्ञानार्जन (लेर्निंग) खण्ड़ है जो ४५ मिनिट के सामाजिक सामंजस्य की वर्णमाला (प्राथमिकज्ञान) है । इसे इस वर्णमाला (निम्नलिखित अनुबंध देथे) मूल-विषयों में से एक को समर्पित कर उसके प्रश्नों से प्राप्त किया गया है । इस भाग के निष्पादक हैं विश्वविद्यालयों के १६ वरिष्ठ विद्यार्थी जो निरन्तर टी वी स्टुडियों में रहते

हैं । वे चार टीमों में विभाजित किए गये हैं : (सामाजिक सामंजस्य (सोशल हार्मोनी) की गहन संरचनाओं के चार स्फिरल वर्गों पर) सामाजिक, इन्फो, आर्ग. एवं तक. जिनमें ४-४ व्यक्ति रहते हैं. और प्रत्येक, परस्पर (एक दूसरे से) २-३ मी. दूरी पर ४ टेबिल्स पर एक सेमी - सर्किल (अर्थवृत) में हैं । ये टीम व्यापार अनुरूपण खेल (बिज़िनेस सिम्युलेशन गेम) पद्यति पर कार्य करते हैं । वे सामाजिक सामंजस्य के ए बी सी पर, प्रशिक्षण (नियत) कार्य के प्रत्येक सिरीज़ पर, आपस में टीम्स के बीच (१५ मिनट) एवं टीमों के बीच (३० मिनट) चर्चा करके निर्णय लेते हैं । यह प्रक्रिया टी वी खेल (गेम) "क्या" ? "कहाँ" ? एवं "कब" ? को याद करानेवाली है । एबी सी के उपरान्त, सामंजस्य की भाषा (सिध्दान्त) व विचार (जीएचए परियोजनाएँ) विषय आते हैं । एक वर्ष का ३ भागों में विभाजित किया जाता है : वर्णमाला, भाषा एवं सामंजस्य विचार एवं प्रत्येक केलिए ४ माह होते हैं ।

इस भाग का निर्देशन या तो सामंजस्य पूर्ण सभ्यता के वैज्ञानिक सिध्दंत के निर्माता व जीएचए के स्थापक व अध्यक्ष डा. लियो सिमेश्को करेंगे या सामंजस्यपूर्ण सभ्यता के मूल सिध्दान्त से सुपरिचत अपने सहायकों सहित विशेषत : प्रशिक्षित पत्रकार करेंगे । इस विभाग के प्रस्तुतिकर्ता सामंजस्य प्रशिक्षण नियत कार्य ए बी सी एवं अन्य विषय तैयार करने विद्यार्थी चर्चा - परिचर्चा केलिए समन्वय करेंगे ।

दूसरे भाग में ४५ मिनिटों केलिए विकल्पों का चर्चा खण्ड है । इस भाग के निष्पादक ६ विशेषज्ञ हैं जिनमें से तीन सामंजस्यपूर्ण सभ्यता का प्रतिनिधित्व करते है : ज्ञानार्जन भाग (लेर्निंग पार्ट) के प्रस्तुतिकर्ता, उसके सहायक तथा या तो जीएचए राष्ट्रीय सलाहकार । परामर्शदाता (नीचे देखें), या कार्यक्रम निदेशक सहित प्रेजेन्टर विशेषज्ञ को आमन्त्रित करते हैं जो सुप्रसिद्ध विदेशी वैज्ञानिकों एवं नोबल पुरस्कार विजेताओ सहित सामंजस्यपूर्ण सभ्यता के विचार के भागी होते हैं ।

तीन अन्य विशेषज्ञ तो सामंजस्यपूर्ण सभ्यता के विरोधी (अपोनेन्ट्स) होते हैं जो कार्यक्रम निदेशक द्वारा आमन्त्रित किए जाएंगे । सिरीज़ के सप्ताह विरोधीपक्षों को चाहिए कि ज्ञानार्जन (लेर्निंग) प्रस्तुतिकर्ता को उनकी स्थिति (सामंजस्यपूर्ण सभ्यता का विकल्प) का सार (१ पृष्ट) २ सप्ताह पूर्व दे दें । यह चर्चा केलिए मूलाधार के रूप में कार्य करेगे । प्रत्येक प्रतिभागी का भाषण १-१.५ मिनिटों तक सीमित किया जाता है । सिरीस प्रस्तुतिकर्ता इन्टरनेट या दूरभाष द्वारा टी वी दर्शकों को किसी के पक्ष के साथ बहस में भाग लेने हेतु संबोधित करते हुए अभन्त्रित कर सकता है । इन्दर पर बहस को जारी किया जा सकता है । उदाहरण केलिए, "फोरम ऑफ हार्मोनी" में http://www.forum.peacefromharmony.org/viewforum.php?f=2.

जीएचए सलाहकार परामर्शदाता आवश्यक प्रतिभागियों का पता लगाने में टी वी कार्पोरेशनों एवं जीएचए बोर्ड की सहायता करते हैं । विद्यार्थी किसी भी पोजीशन को मतदान करने भाग ले सकते हैं । यह संरचना बदलेगी।

इस टी वी सिरीज़ का प्रभाव एवं महत्व यह है कि दर्शक (विशेषत : युवा वर्ग) एक सामंजस्य सभ्यता की मानसिकता प्राप्त करेंगे उसकी वर्णमाला, भाषा व सिध्दान्त सीख लेंगे तथा भविष्य के वैकल्पिक मॉडलों (नमूनों) के विरेध में उसके समर्थन में मूलाधार होंगे । यह भविष्य, जीवन के अर्थ-का बोध एवं सामंजस्यपूर्ण विकास पर युवा, अधेड़ एवं वृध्दों केलिए अपनी स्थिति बनाने में यह एक शक्तिशाली संवेग है । इस टी वी कार्यक्रम की सकारात्मक समयात्मक प्रकृति वर्तमान युवा के अत्यावश्यक सामाजिक रोगविज्ञानों (पैथोलॉजीज़) केलिए समाधान देगी ।(ड्रग्स, आल्कोहॉलिज्म, गुण्डागिरी, अपराध, जोखिमी आचरण, इत्यादि)

कार्यक्रम के अन्य अंग

१. प्रकाश, ध्वनि, रंग, वास्तु इत्यादि के अतिरिक्त निरन्तर संगत रहनेवाले हैं जीएचए के १२ ग्रन्थ (लियोसमैश्को के प्रारम्भिक ग्रन्थ) जो मूलधार, इतिहास, आधुनिकता एवं सामंजस्य - पूर्ण सभ्यता सिध्दाान्त तथा इनको टी वी सेट्स पर समय-समय पर प्रदर्शित करना है ।

२. जीएचए प्रतीक

३. विध्यार्थियों केलिए प्रशिक्षण योजनाएँ एवं सामंजस्यपर्ण सोच के नमूने ।

४. सामंजस्य (हार्मोनी) के फिल्म ग्रन्थालय से सामंजस्य फिल्मों या उनके खण्ड़ों (सेग्मेन्ट्स) की फिल्मों का प्रयोगः http://www.peacefromharmony.org/?=en_c&key=252.

५. सामंजस्यपूर्ण सभ्यता के विरोधियों के परिवर्तनशील रूप से ५-१२ ग्रन्थ

६. सामंजस्यपूर्ण सभ्यता विरोधियों (आपोनेन्ट्स) की योजनाएँ एवं अन्य दृश्य सामग्री जिसकी सूची बैठक के २ सप्ताह पूर्व वे देंगे ।

आदेशसूचक शर्तें

१. प्रत्येक टी वी कार्पोरेशन, टेलीविज़न पत्रकारों - प्रस्तुतिकर्ताओं एवं उनके सहायकों को - उनकजीएचए प्रोफेसर्स के फन्ड्स केलिए विशेषरुप से निर्मित हार्मोनी अकाडमियों में २ या ३ माह केलिए प्रशिक्षिण देता है ।

२. प्रत्येक टी वी कार्पोशन (अपने ही खर्च पर) जी एच ए प्रणाली पर एक देश में (या अपके क्षेत्र में) (स्फिरल डायनमिकस का सांख्यिकीय अध्यन आयोजित करता है । यह दूरदर्शन कार्यक्रम को अत्यन्त महत्वपूर्म तथ्यपरक सूचना देता हैं ।

सूचना (नोट) : टी वी कार्पोरेशन्स के सम्बध्द अन्तर्राष्ट्रीय या राष्ट्रीय कार्यालय टी वी पत्रकारो के शिक्षण केलिए नियमित सांख्यिकीय अध्ययनों के आयोजनार्थ एक संयुक्त सामंजस्य अकादमी स्थापित करेंगे । साथ-साथ कार्यक्रम के विकास केलिए - "भविष्य सामंजस्यपूर्ण सभ्यता, अथवा क्या ?" एक अंग के फार्माट यानी उदाहरणार्थ, शैक्षिक को सामंजस्यपूर्ण सभ्यता के अन्य घटकों (अंगों) के फार्मेटों के विकास के मूल आधार के रूप में प्रयोग किया जा सकता है : जैसे, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं सामाजिक जैसे : स्वास्थ्य, परिवार, खेल, व्यक्तिगत हार्मोनीकरण इत्यादि ।

विशेष ठेकाओं (कॉन्ट्राक्ट्स) में लीगल काउन्सिलों द्वारा जीएचए एवं टी वी कार्पोरेशन से संयुक्त रुप से जीएचए प्रतिनिथियों व विशेषज्ञों को भुगतान किया जा सकता है ।

टी वी कार्यक्रम की साधारण वरीयताएँ (प्रिफेरेन्सेस) :

१. भागीदारी शिक्षा के रूप में टी वी कार्यक्रम विलक्षण है । भविष्य में सामंजस्यपूर्ण सभ्यता बनाने में विषय (कान्टेन्ट) एवं उसका प्रभाव - दोनों के मामले में यह विलक्षण है । वैसे, ऐसा कार्यक्रम टी वी पर उपलब्ध नहीं है।

२. उत्सुकता बढ़ाने केलिए मुख्य स्त्रोत रहनेवाला एवं इस कार्यक्रम केलिए पर्याप्त दर्शकों को बनो रखनेवाला टी वी कार्यक्रम पर्याप्त रूप से परिवर्तनशील रहता है ।

३. सामंजस्यपूर्ण सभ्यता के पालने (क्रेडल) के रुप में यह टी वी कार्यक्रम नगर या देश को (जहाँ उसको प्रारंभ किया गया) एक नया सांस्कृतिक प्रतिरुप देने समर्थ है ।

४. टी वी कार्यक्रम, शिक्षा के सामंजस्यपूर्ण स्तर में परिवर्तन (टैन्सिशनिंग) द्वारा शिक्षा में सुधार ला सकता है। केवल यह सुधार मात्र, सामाजिक व व्यक्तिगत सामंजस्य (हार्मोनी) में सम्पूर्ण अज्ञान को पराभूत करता है । यह सामंजस्यपूर्ण प्रबोधन के नये युग को प्रारम्भ करेगा ।

५. टी वी कार्यक्रम युवा केलिए प्रथम हार्मोनी अकादमी के रूप में सेवा (प्रदान) करेंगे । अत्यधिक महत्त्वकांक्षावाले जवान लोग जो इस टी वी कार्यक्रम द्वारा सामाजिक हार्मोनी के विज्ञान पर अधिकार कर लोंगे । वे ही १०-२० वर्षों में नेतृत्व पदों केलिए पूर्णत : उपयुक्त होंगे एवं सामंजस्यपूर्ण सभ्यता के चेतना निर्माम में सहायता करेंगे ।

६. यह टी वी कार्यक्रम, मनुष्य इतिहास में सामंजस्यपूर्ण सभ्यता का चेतना टी वी प्रथम होगा । यह एक सामंजस्यपूर्म टी वी का जन्म होगा ।

डॉ. लियो सिमेश्को
जिएचए अध्यक्ष

प्रो. एर्नेस्टो कहान, जीएचए, उपाध्यक्ष, इज़्राइल, उपाध्यक्ष,
आईपीपी एन डब्ल्यूः नोबिल शान्ति पुरस्कार - १९८५

डॉ. लाज उत्रेजा
जीएचए - यु इस ए अध्यक्ष

केइ . मोरी,
जीएचए - जापान अध्यक्षा

सामंजस्यपूर्ण सभ्यता

अपेन्डीसेस :

१. २० देशों से टी वी कार्पोरेशन्स केलिए जीएचए परामर्शदाताओं । सलाहकारों की सूची

अल्जीरिया : प्रो. अम्मार बन्नी ammarbanni@yahoo.fr;

अर्जेन्टीना : मेरिया क्रिस्टिना अज़कोना, जीएचए उपाध्यक्ष azconacristina@hotmail.com

कोलंबिया : मेरी लूज सैन्डोकल रोबेयो संपादक csgr@syllabapress.com

इग्लैण्ड : डॉ. बेर्नार्ड स्कॉट BernCES1@gmail.com

फ्रैन्स : गई क्रेकी, जीएचए उपाध्यक्ष guy.crequie@wanadoo.fr

जर्मनी : डा. बर्न्ड हॉरनंग hornung@med.uni-marburg.de

ग्रीस : डॉ. डिमिट्रिस पी क्रैनियोटिस dkraniotis@yahoo.gr

इन्डिया : डॉ. अनंत कुमार गिरि, जीएचए उपाध्यक्ष aumkrishna@yahoo.com
: डॉ. तोलाना चक्रवर्ती जीएचए उपाध्यक्ष tacvarthy@yahoo.com

इज्रेल : प्रो. एर्नेस्ट कहान, जीएचए उपाध्यक्ष आई पी पी एन डब्ल्यु के उपाध्यक्ष, नोबल शांति पुरस्कार-१९८५ ekahan@post.tau.ac.il

इटली : डॉ. रिनाटो कोर सेट्टी, जीएचए उपाध्यक्ष renato.corsetti@esperanto.org

जापान : के मोरी, जीएचए अध्यक्ष moriikae@ybb.ne.jp

लिबीरिया : डॉ. जाकोब ब्रईट जीएचए अध्यक्ष aeon64@live.com;

मलेशिया : डॉ. स्टीव राजन steve_rajan@yahoo.com

मेक्सिको : डॉ. मार्गरीटा मास margarita_maass@yahoo.com.mx

पाकिस्तान : मैरियम खान - जीएचए पाकिस्तान अध्यक्ष mariam.inspiredsisters@gmail.com

रोमानिया : प्रो. डॉर्नीन पोपा dorinpopa9@gmail.com, Tatomir Ion-Marius : tatomir@usa.com

रूस : प्रो. ग्रेगरी टलचिन्स्की gtul@mail.ru, Ivan Ivanov, St. Petersburg : ivanov.ivan.spb@gmail.com, Dr. Alexei Shepel, St. Petersburg : shepelspb@mail.ru, writer Alexander Olshansky, Moscow : aa@olshanski.ru, composer Leonid Timoshenko, Moscow : volnabudushego@yandex.ru, producer Nina Goncharova, Novosibirsk : gong3000@ngs.ru

रुवान्डा : हेली हेबियारिमाना जीएचए उपाध्यक्ष : haheli2001@yahoo.fr, Jean Basabose, GHA Vice President basajd@yahoo.fr,

उक्रेइन : नटालिया कुलीनिच जीएचए उक्रेइन अध्यक्ष nata99-07@mail.ru

युएसए : डॉ. चार्लेस मेरसीका जीएचए उपाध्यक्ष me-rcieca@knology.net
डॉ. लाज उत्रेजा जीएचए-युएसए lutreja@tecmasters.com

जीएचए परामर्शदाताओं के मुख्य कार्य :

१. यदि आवश्यक हो तो जीएचए पत्र (६ पृ.) को टी वी कार्पोरेशन्स की स्थानीय भाषा में अनूदित करें (अथवा आपके मित्रों को अनूदित करने को कहें ।)

२. इस पत्र को देशके ३-५ बड़े-बड़े दूरदर्शन (टी वी) केन्द्रों (अथवा भाषाई प्रान्त को) को प्रेषित करें ।

३. जब टी वी कार्पोरेशन से अनुरोध भेज दिया जाएगा, तब लियो सिमेश्को एवं जीएचए बोर्ड के अन्य सदस्यों के साथ लिखें । इस टी वी कार्पोरेशन को प्रत्युत्तर दें ।

अगलावाला, टी वी कार्पोरेशन के अनुरोधों के अनुरूप परिस्थितियों में रहेगा । इस स्थिति में अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय है चर्चा एवं आवश्यक प्रतिभागियों को तैयार करने एवं टी प्रोग्राम के प्रस्तावित प्रथम दृश्यलेख (सिनेरियों) बनाने ३-४ माह के दौरान काम केलिए भुगतान हेतु होगा यदि वह कार्पोरेशन द्वारा स्वीकृत हो । ठेका (कान्ट्रक्र) पर चर्चा एवं हस्ताक्षरित करने में परामर्शदाता एवं जीएचए, का अध्यक्ष - दोनों शामिल होंगे ।

२. १२ भाषाओं में पहले के लियो सिमेश्को के ग्रन्थों सहित जीएचए के १२ ग्रन्थ

२०१० : रूस. प्राक्कथन, सामंजस्यपूर्ण सभ्यता की ओर. जीएचए सह-लेखकों सहित सेंट पीटर्सबर्ग, लीटा रूस में ३० पृष्ठ : http://peacefromharmony.org/?cat=ru_c&key=435

२०१० : कजखस्थान - २१ वी. सदी केलिए सामंजस्य (युध्द) योजना अध्यक्ष एवं कणखस्थान संसद केलिए जीएचए परियोजना. १० देशों में १४ सह - लेखकों सहित. सेंट पीटरबर्ग, लीटा, २२ पृष्ठ - रूसी एवं अंग्रेजी : http://www.peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=445

२००९ : सामंजस्य सभ्यता. ग्लोबल हार्मोनी एसोसिएशन इन्नोवेटिव परियोजनएँ - ३४ देशों से, २ भाषाओं में सहलेखक, सेंट पीटर्सबर्ग - रूस - "लीटा" ल- पृ. २५४
http://peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=379,

२००८ : विश्व सामंजस्य । पीस अकादमी सूचना संघ में सामान्य सामंजस्य शिक्षा ०२ भाषाओं में २० देशों से ६४ सह लेखकों के साथ । सेंट-पीटसबर्ग, रूस "लीटा" .पृ.१०४
http://peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=277

२००७ : सूचना सभ्यता केलिए सामंजस्य मैग्ना कार्टा : सामाजिक न्याय एवं विश्वशान्ति, ७ भाषाओं में १६ देशों में ४२ सह लेखकों के साथ, लीटा २२८ पृ. http://www.peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=3

२००६ : सामंजस्यपूर्ण युग कैलंडर : बच्चों, युवा एवं आगामी पीढ़ियों का संबोघन १२ भाषाओं में, १२ देशों से २६ - लेखकों के साथ - सेंट-पीटर्सबर्ग - स्टेट पालीटेक्निक विश्वविद्यालय ३९६ पृ
http://www.peacefromharmony.org/?cat=ru_c&key=190

२००४ : बच्चों का मताधिकार : २२ वी सदौ केलिए गणतन्त्र सामाजिक सामंजस्य की ओर मनुष्य पूंजी में प्राथमिकता निवेश, सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट पोलीटेक्निक विश्वविध्यालय, ७२ पृ.
http://www.peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=211

२००३ : टेट्रासोशियोलॉजी : समाजवैज्ञानिक कल्पना से वार्तालाप द्वारा सार्वत्रिक मूल्य एवं सामंजस्य ३ भाषाओं : रूस, अंग्रेजी, एस्पिरन्टो, में, १४ सह - लेखकों के साथ, सेंट पीटर्सबर्ग, स्टेट पोलीटेक्निक, विश्वविद्यालय ३९४ पृ. http://www.peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=149

२००२ : टेट्रासोशियोलॉजी : चुनौतियों केलिए उत्तरजवाब (अनुक्रियाएँ) सेन्ट पीटर्सबर्ग स्टेट पोलीटेक्निक विश्वविद्यालय, (रूस व अंग्रेजी में) १५८ पृ http://www.peacefromharmony.org/?cat=en_c&key=145

२००० : सामाजिक चिन्तन क्रान्ति के रूप में टेट्रा समाजशास्त्र (सोशियोलॉजी, सामंजस्य एवं समृध्दि का मार्ग सेन्ट पीटर्सबर्ग १६८ पृ (रूस में)

१९९२ : उपयोगितावादियों (प्राग्मातिस्टस) केलिए समाजशास्त्र विश्वविद्यालय विद्यार्थियों केलिए पाठ्य पुस्तक पार्ट-१ सेंट - पीटर्सबर्ग, ३६८ पृ. (रूस में)
http://peacefromharmony.org/file/5162/1992-semashko-sferniy_podhod.pdf

अतिरिक्त : एवगिनी अब्रम्यन : "XXI सदी में सभ्यता" (२००९)
http://www.savefuture.net/files/2009edition-en.pdf.

3. सामंजस्य की वर्णमाला (प्रारंभिक ज्ञन)

सामंजस्य क वर्णमाला में सामाजिक सामंजस्य की २० मूलभूत, आवश्यक एवं पर्याप्त तत्व रहते हैं :

१. चार संसाधनः जनता, सूचना, संस्था एवं विषय (पीआईओटी)

२. चार प्रक्रियाएँः उत्पादन, वितरण, विनिमय व उपभोग (पीडीईसी)

३. चार संरचनाएँ / उत्पादन के क्षेत्र : सामाजिक, संगठनात्मक एवं तकनीकी (एसआईओटी)

४. क्षेत्रो में नियोजित जन संख्या के चार क्षेत्रीय वर्ग : समाजवर्ग, इन्फोवर्ग, आर्गक्लास एवं तकनीकी वर्ग (एस आई ओटी-वर्ग) समाजिक सामंजस्य के मुख्य अभिनेताओं एवं किसी विरोध को छोड़कर, सामंजस्य ऊर्जा का निरन्तर स्त्रोत

५. व्यक्ति के चार संसाधन । क्षेत्र : चरित्र, अतःरण संकल्प व शरीर (सी सी डब्लयु बी) इस वर्णमाला (प्रारंभिक ज्ञान) को अंगभूत (समग्र) स्केल, होलीस्टिक प्रकृति एवं सद्भावपूर्ण औचित्य है । इसका मूल है क्षेत्र, (स्फिअर्स) सामंजस्य - पूर्ण अनुपात हैं जो सामंजस्य निर्धारित करते हैं । यह सामंजस्य की आध्यात्मिक ए बी सी है जो स्वयंप्रवर्तित(स्वतः) समस्वर (स्पॉनटेनियस हार्मोनइजेशन) को सचेतन (कॉन्शैस) में - उसकी प्रभावशालिता को बड़े पैमाने पर मज़बूत करते हुए - रूपान्तरित करता है । उसके प्रत्येक तत्व का एक इतिहास है, असंख्य परिभाषाएँ है, प्रतीक हैं, मूष्य हैं, धर्म के प्रतिरूप हैं, दर्शन, विज्ञान, कला, नीति-शास्त्र हैं तथा आध्यात्मिक संस्कृति की अन्य विद्याएँ (डिसीत्नेन्स) हैं । नवीन सभ्यता इन प्रतिरूपों को संक्षिप्त एवं वर्गीकृत करते हुए उनको सामंजस्य की सुसम्बध्द वैज्ञानिक वर्णमाला में बदल देती है, जो न केवल पारम्परिक संस्कृति में परिवर्तित करती है परन्तु नयी प्रौध्दगिकियों में भी परिवर्तित करती है । यह वर्णमाला (प्रारंभिकज्ञान) सभी मनुष्य सभ्यता । नूसफिअर के प्रारंभिक क्षेत्रों को अभिव्यक्त करती है । फिरभी, वे केवल २१ वीं सदी में विश्व सामंजस्यीकरण (ग्लोबल हार्मोनिइजेशन) स्थिति की जानकारी रखते हैं । अत : समग्र सामंजस्यपूर्ण ए बी सी का ज्ञानार्जन (लेर्निगं) सामंजस्यपूर्ण प्रबोधन के नये युग का उद्धारन करता है तथा इतिहास में एक नये मनुष्य "सामंजस्यपूर्ण मनुष्य" को (होमो हार्मोनिकस) जो बिना हिंसा एवं युध्दों के, सभी सामाजिक समस्याओं का, सामंजस्यपूर्ण पध्दति में हल निकालता है (समाधान करता है)

Hindi Translation :
Sri. LAXMANACHARYULU
M.A., Ph.D.,
Hyderabad, India.